वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 271 रविवार 22 फरवरी 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ पेज 2 पर

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

केंद्रीय मंत्री ने प्रदेश के 'एआई' मॉडल को बताया देश के लिए अनुकरणीय

भारत मंडपम में राजस्थान की धाक

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने की प्रदेश के तकनीकी नवाचारों की प्रशंसा

'भारत मंडपम' में दिखा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के 'डिजिटल विजन' का प्रभाव

जयपुर. कासं

देश की राजधानी दिल्ली के 'भारत मंडपम' में आयोजित 'भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रभाव शिखर सम्मेलन 2026' के दूसरे दिन राजस्थान ने अपनी तकनीकी क्षमताओं का लोहा मनवाया। शनिवार को केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शिखर सम्मेलन के अंतर्गत स्थापित 'राजस्थान मंडप' (पवेलियन) का विशेष अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रहे क्रांतिकारी परिवर्तनों की सराहना की और राजस्थान को डिजिटल शासन में अग्रणी राज्य बताया। तकनीक से सुशासन की ओर बढ़ता राजस्थान दौरे के समय केंद्रीय मंत्री को राज्य सरकार द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में की गई प्रमुख पहलों की विस्तृत जानकारी दी गई।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार ने शासन की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सुगम बनाने के लिए तकनीक का व्यापक उपयोग किया है। मंडप में प्रदर्शित किया गया कि कैसे नागरिक-केंद्रित सेवाओं का पूर्णतः डिजिटलीकरण कर उन्हें आमजन तक पहुँचाया जा रहा है। विशेष रूप से स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और प्रशासनिक सुधारों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित समाधानों को प्रभावी ढंग से लागू किया गया है। केंद्रीय मंत्री द्वारा उत्साहवर्धन अश्विनी वैष्णव ने प्रदेश के इन नवाचारी प्रयासों की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि राजस्थान का डिजिटल परिवर्तन का मॉडल अनुकरणीय है। उन्होंने बल दिया कि राजस्थान के ये प्रयास भारत की उस समग्र तकनीकी रणनीति के अनुरूप हैं, जो समावेशी, जिम्मेदार और नागरिक-केंद्रित विकास को प्राथमिकता देती है। उन्होंने कहा कि तकनीक जब सीधे आमजन के जीवन को सुगम बनाती है, तभी वह वास्तविक राष्ट्र-निर्माण का साधन बनती है।

प्रदर्शन का केंद्र बना 'राजस्थान मंडप'

सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग द्वारा निर्मित इस मंडप में लगभग 20 प्रदर्शन स्थल (स्टॉल्स) लगाए गए थे। इन स्थलों के माध्यम से राजस्थान में हो रहे तकनीकी नवाचारों, भामाशाह और जन आधार जैसी योजनाओं के उन्नत स्वरूप तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भविष्य की कार्ययोजनाओं को बखूबी प्रदर्शित किया गया। यह मंडप न केवल प्रदेश की तकनीकी क्षमताओं का केंद्र बना, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणा स्रोत के रूप में उभरा। शिखर सम्मेलन में आए विभिन्न तकनीकी विशेषज्ञों और निवेशकों ने भी राजस्थान के इस 'डिजिटल विजन' की सराहना की। इस अवसर पर राज्य के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे, जिन्होंने केंद्रीय मंत्री को भविष्य की परियोजनाओं और डिजिटल ढाँचे के सुदृढ़ीकरण के बारे में अवगत कराया। यह गौरवपूर्ण क्षण रहा जब राजस्थान की एआई क्षमताओं को राष्ट्रीय मंच पर इतनी व्यापक मान्यता मिली।

शिक्षा और उद्योग के बीच बढ़ेगा समन्वय

सीपेट और कानोड़िया महिला महाविद्यालय के मध्य एमओयू, छात्राओं ने लिया तकनीकी प्रशिक्षण

जयपुर. कासं

राजधानी के कानोड़िया पी.जी. महिला महाविद्यालय और 'सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी' (सीपेट) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय तकनीकी कार्यशाला एवं औद्योगिक भ्रमण का शनिवार को समापन हुआ।

विज्ञान संकाय के रसायन विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को प्लास्टिक प्रौद्योगिकी की बारीकियों, औद्योगिक प्रक्रियाओं और आधुनिक मशीनरी के व्यावहारिक ज्ञान से रूबरू कराना था। इस अवसर पर दोनों संस्थानों के बीच एक ऐतिहासिक समझौता

ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए गए। कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर शैक्षणिक सहयोग को सुदृढ़ करने हेतु सीपेट, जयपुर के निदेशक संजय चौधरी और महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सीमा अग्रवाल ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते का प्राथमिक लक्ष्य छात्राओं के लिए उच्च स्तरीय इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध कराना, संयुक्त शोध कार्यों को बढ़ावा देना और उद्योग-उन्मुख कौशल विकास कार्यक्रमों का संचालन करना है।

तप और ज्ञान के सूर्य थे आचार्य विद्यासागर

संस्कृत महाविद्यालय में 'समाधि दिवस' पर विशेष शास्त्रीय गोष्ठी आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन संप्रदाय के महान तपस्वी और राष्ट्र-संत आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के द्वितीय 'समाधि दिवस' के अवसर पर श्री दिगंबर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय में एक विशेष शास्त्रीय सभा का आयोजन किया गया। इस गौरवपूर्ण समारोह में विद्यार्थियों और विद्वानों ने आचार्य श्री के जीवन दर्शन, उनकी कठिन साधना और साहित्यिक कृतित्व पर गंभीर चिंतन प्रस्तुत किया।

मंगलाचरण से प्रारंभ और दार्शनिक विमर्श

कार्यक्रम का शुभारंभ द्वितीय वर्ष की छात्रा आशिका जैन द्वारा प्रस्तुत भक्तिमय मंगलाचरण से हुआ। इसके पश्चात महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने आचार्य श्री विद्यासागर जी द्वारा रचित 'षट्शती' ग्रंथ के विभिन्न आयामों पर सारगर्भित चर्चा की। विद्यार्थियों ने संसार के वास्तविक स्वरूप, सांसारिक भ्रमण के कारणों, अध्यात्म, जीवन मूल्यों और प्रकृति चित्रण में प्रयुक्त अलंकारों का सटीक विश्लेषण प्रस्तुत किया। गोष्ठी के दौरान 'श्रमण शतक' में प्रतिपादित 'रत्नत्रय' (सम्यक दर्शन, ज्ञान, चरित्र) के स्वरूप, 'चैतन्य चंद्रोदय शतक' का परिचय और 'निरंजन शतक' के आध्यात्मिक महत्व पर भी विस्तृत प्रकाश डाला गया।

आत्मानुभूति ही मोक्ष का मार्ग

विद्यार्थियों ने आचार्य श्री के ग्रंथों से उदाहरण प्रस्तुत करते हुए सार्थक जीवन जीने, राष्ट्र हित में कार्य करने और वीतरागता के महत्व को समझाया। श्रमणों के सम्यक दर्शन पर चर्चा करते हुए यह प्रेरक दृष्टांत दिया गया कि जिस प्रकार जल को मथने से मक्खन प्राप्त नहीं हो सकता, उसी प्रकार जब तक आत्मा का मंथन नहीं किया जाएगा, तब तक मोक्ष की प्राप्ति असंभव है। आत्मचिंतन और रत्नत्रय का पालन ही कल्याण का वास्तविक मार्ग है।

विद्वानों का संबोधन और प्रेरक संस्मरण

प्राकृत विभाग के डॉ. हेमंत जैन ने आचार्य श्री की जीवन चर्या और उनकी रचनाओं पर चर्चा करते हुए विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन किया। उन्होंने कहा कि जीवन का उद्देश्य केवल सफल होना नहीं, बल्कि उसे सार्थक बनाना होना चाहिए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार जैन ने आचार्य श्री के कठोर संयम और साधना से सभी को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि आचार्य श्री ने अपने जीवन काल में 508 दीक्षाएं प्रदान कर धर्म प्रभावना का अद्भुत कार्य किया। उन्होंने संस्कृत में लिखे गए 11 शतकों और हिंदी के प्रसिद्ध 'मूक माटी' महाकाव्य की महत्ता पर प्रकाश डाला। प्राचार्य ने आचार्य श्री के सानिध्य में बिताए अपने व्यक्तिगत संस्मरण साझा करते हुए बताया कि उनके पास बैठना ही आत्मिक शांति का अनुभव कराता था। सभा में कुशाल, शुभ और माही जैन सहित अनेक विद्यार्थियों ने सक्रिय प्रतिभागिता निभाई।

कोटा में उमड़ेगी भक्ति की सरिता

गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी के सानिध्य में 22 से शुरू होगा सिद्धचक्र महामंडल विधान

कोटा. शाबाश इंडिया

शिक्षा नगरी कोटा के आर.के. पुरम स्थित जंगल वाले बाबा मुनि चिन्मय सागर महाराज की प्रेरणा से निर्मित 'श्री 1008 मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन त्रिकाल चौबीसी' में श्रद्धा और उल्लास का महोत्सव आयोजित होने जा रहा है। परम पूज्या गणिनी आर्यिका श्री 105 विभाश्री माताजी ससंघ (13 पिच्छी) के पावन सानिध्य में 22 फरवरी से 3 मार्च 2026 तक भव्य 'श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान' का आयोजन किया जाएगा। इस दस दिवसीय अनुष्ठान में श्रद्धालु सिद्धों की आराधना कर आत्मिक शांति का मार्ग प्रशस्त करेंगे।

विशाल घटयात्रा से होगा मंगल शुभारंभ

मंदिर समिति के अध्यक्ष अंकित जैन एवं महामंत्री अनुज गोधा ने बताया कि महोत्सव का विधिवत प्रारंभ रविवार, 22 फरवरी को प्रातःकाल भगवान के मंगल अभिषेक और शांतिधारा के साथ होगा। इसके पश्चात गाजे-बाजे के साथ भव्य विशाल घटयात्रा निकाली जाएगी। मंदिर परिसर में मंडप उद्घाटन, मंडप शुद्धि और ध्वजारोहण के उपरांत गुरु मां विभाश्री माताजी के मंगल प्रवचन होंगे। दोपहर में इंद्र-इंद्राणियों के लिए मेहंदी उत्सव तथा संध्या काल में गुरु भक्ति एवं महाआरती का आयोजन किया जाएगा।

शास्त्रीय विधि-विधान और मधुर संगीत

कार्याध्यक्ष प्रकाश सेठिया एवं कोषाध्यक्ष ज्ञान चंद जैन ने जानकारी दी कि विधान की समस्त मांगलिक क्रियाएं पंडित जितेंद्र शास्त्री, पंडित रविंद्र शास्त्री एवं पंडित स्वतंत्र जैन के कुशल निर्देशन में संपन्न होंगी। आयोजन में भक्ति का रस घोलने के लिए पिडावा से विख्यात संगीतकार हरीश जैन एंड पार्टी द्वारा मधुर भजनों की प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

विश्व शांति महायज्ञ और गजरथ यात्रा

समिति के प्रचार-प्रसार मंत्री पारस जैन 'पार्श्वमणि' ने बताया कि महोत्सव के अंतिम दिन, 3 मार्च (मंगलवार) को विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन होगा। गुरु मां के सानिध्य में मंत्रोच्चार के साथ विश्व कल्याण की कामना की जाएगी। इसके उपरांत, इंद्र-इंद्राणियों और बग्घियों के लवाजमे के साथ भव्य गजरथ शोभायात्रा निकाली जाएगी।

अतिथियों के लिए भव्य पांडाल

निदेशक विनोद जैन टोरडी के अनुसार, इस महामंडल विधान की भव्यता के लिए मंदिर के सम्मुख एक विशाल और आकर्षक पांडाल निर्मित किया गया है। इसकी नयनाभिराम सजावट और आध्यात्मिक वातावरण श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर देने वाला है। संयोजक पदम जैन एवं उपाध्यक्ष लोकेश बरमुंडा ने धर्मप्रेमी जनता से इस भक्ति गंगा में डुबकी लगाने की अपील की है।

मंदिर समिति के अध्यक्ष अंकित जैन एवं महामंत्री अनुज गोधा ने बताया कि महोत्सव का विधिवत प्रारंभ रविवार, 22 फरवरी को प्रात:काल भगवान के मंगल अभिषेक और शांतिधारा के साथ होगा।

संसार

गाजा संकट की नई कूटनीति

कांतिलाल मांडोत

अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में आयोजित 'शांति बोर्ड' (बोर्ड ऑफ पीस) की प्रथम बैठक ने वैश्विक राजनीति में एक नई विमर्श को जन्म दे दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की पहल पर गठित इस मंच का घोषित उद्देश्य गाजा युद्ध के पश्चात पुनर्निर्माण, स्थिरता और दीर्घकालिक शांति की रूपरेखा तैयार करना है। इस बैठक में लगभग 50 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिसमें भारत 'पर्यवेक्षक' देश के रूप में सम्मिलित हुआ। गाजा के पुनर्निर्माण हेतु लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये के सहायता कोष की घोषणा ने इस पहल को वैश्विक स्तर पर चर्चा का केंद्र बना दिया है। गाजा में लंबे समय से जारी संघर्ष ने भयावह मानवीय संकट उत्पन्न किया है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, लगभग 75 हजार लोग काल कवलित हो चुके हैं और 1.7 लाख से अधिक घायल हैं। 19 लाख लोग बेघर हो चुके हैं और क्षेत्र की 78 प्रतिशत संरचनाएं क्षतिग्रस्त हैं। इस संकटपूर्ण पृष्ठभूमि में ट्रम्प ने बल दिया कि पुनर्निर्माण पर होने वाला व्यय युद्ध की लागत की तुलना में नगण्य है। इस बोर्ड की संरचना भी अत्यंत प्रभावशाली है, जिसके अध्यक्ष स्वयं ट्रम्प हैं और इसमें अजय बंगा (विश्व बैंक अध्यक्ष) तथा जारेद कुशनर जैसे नीतिगत व वित्तीय विशेषज्ञ सम्मिलित हैं। भारत की भागीदारी इस मंच पर विशेष महत्व रखती है। यद्यपि भारत ने अभी पूर्ण सदस्यता हेतु स्पष्ट संकेत नहीं दिए हैं, किंतु एक पर्यवेक्षक के रूप में उसकी उपस्थिति दर्शाती है कि वह पश्चिम एशिया के बदलते समीकरणों पर पैनी दृष्टि बनाए हुए है। भारत की विदेश नीति सदैव संतुलन और संवाद पर आधारित रही है। एक ओर जहां इजराइल के साथ उसके सुदृढ़ सामरिक संबंध हैं, वहीं दूसरी ओर वह फिलिस्तीन के मानवीय अधिकारों का भी दृढ़ समर्थक रहा है। इस मंच पर भारत की उपस्थिति उसकी बहुपक्षीय कूटनीति का एक सशक्त प्रमाण है। बैठक का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष गाजा में एक 'अंतर्राष्ट्रीय स्थिरीकरण बल' की तैनाती का प्रस्ताव है। अनुमान है कि सुरक्षा व्यवस्था और हमास के निरस्त्रीकरण हेतु लगभग 12 हजार पुलिसकर्मियों और 20 हजार सैनिकों की आवश्यकता होगी।

संपादकीय

राजनीतिक विरोध की मर्यादा और राष्ट्र की छवि

दिल्ली के 'भारत मंडपम' में आयोजित वैश्विक 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रभाव शिखर सम्मेलन' (एआई इम्पैक्ट समिट) के दौरान युवा कांग्रेस के अर्धनग्न प्रदर्शन ने देश में एक नई राजनीतिक और नैतिक बहस को जन्म दे दिया है। जिस समय विश्व भर के तकनीकी दिग्गज, निवेशक और नीति-निमार्ता भारत की उभरती क्षमताओं और भविष्य की संभावनाओं पर गंभीर मंथन कर रहे थे, उस समय कुछ कार्यकर्ताओं द्वारा कमीज

उतारकर नारेबाजी करना और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का विरोध करना, मात्र एक राजनीतिक कृत्य नहीं है। यह घटना लोकतांत्रिक विरोध की सीमाओं और अंतरराष्ट्रीय पटल पर देश की प्रतिष्ठा, दोनों पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि इस प्रकार के वैश्विक मंच भारत के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं। वर्ष 2026 में, जब संपूर्ण विश्व कृत्रिम बुद्धिमत्ता को आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और राष्ट्रीय सुरक्षा का आधार मान रहा है, तब भारत ने स्वयं को इस क्षेत्र के केंद्र में स्थापित करने हेतु यह शिखर सम्मेलन आयोजित किया। सुंदर पिचाई और सैम ऑल्टमैन जैसे दिग्गजों की उपस्थिति भारत को एक विश्वसनीय वैश्विक साझेदार के रूप में प्रस्तुत करने का स्वर्णिम अवसर थी। ऐसे संवेदनशील और प्रतिष्ठित आयोजन के दौरान हंगामा करना न केवल कार्यक्रम की गरिमा को आहत करता है, बल्कि विदेशी अतिथियों के समक्ष देश की राजनीतिक परिपक्वता पर भी संशय पैदा करता है। युवा कांग्रेस का तर्क है कि उनका विरोध भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के विरुद्ध था, जो उनके अनुसार किसानों और युवाओं के हितों के प्रतिकूल है। लोकतंत्र में प्रत्येक राजनीतिक दल को सरकार की नीतियों की आलोचना करने और विरोध प्रदर्शन करने का पूर्ण अधिकार है। विरोध लोकतंत्र का प्राण है, किंतु विरोध का 'स्थान' और 'प्रकार' उसकी गंभीरता को निर्धारित करते हैं। एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के मुख्य कक्ष में अचानक प्रविष्ट होकर अर्धनग्न प्रदर्शन करना क्या वास्तव में एक प्रभावी विरोध माना जा सकता है? या यह केवल सनसनी फैलाने और सामाजिक माध्यमों (सोशल मीडिया) पर चर्चा बटोरने का एक सस्ता प्रयास है? केंद्रीय मंत्रियों द्वारा की गई ''संवेदनहीन और लज्जाजनक'' जैसी टिप्पणियां भले ही तीखी हों, किंतु ऐसे कृत्यों से विपक्ष की बौद्धिक छवि को धक्का अवश्य लगता है। यह घटना कांग्रेस के आंतरिक अंतर्विरोधों को भी सतह पर ले आती है। एक ओर दल के वरिष्ठ नेता कृत्रिम बुद्धिमत्ता के महत्व को स्वीकार करते हैं, वहीं दूसरी ओर युवा इकाई ऐसे कृत्य करती है जो संगठन की छवि को धूमिल करते हैं। भाजपा ने इसे सोची-समझी रणनीति बताकर हमला बोला है, किंतु व्यापक प्रश्न यह है कि क्या राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के लिए देश के गौरव को दांव पर लगाना उचित है? लोकतंत्र में असहमति का सम्मान होना चाहिए, परंतु असहमति व्यक्त करने का तरीका भी उत्तरदायी होना चाहिए। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

स्काउट संस्थापक दिवस

सुनील कुमार महला

प्रतिवर्ष 22 फरवरी का दिन विश्व भर में 'स्काउट संस्थापक दिवस' के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। यह दिवस स्काउट आंदोलन के जनक लॉर्ड रॉबर्ट बैडेन-पावेल की जयंती के उपलक्ष्य में समर्पित है। संयोगवश, इसी दिन उनकी पत्नी और विश्व प्रमुख गाइड ओलेव बैडेन-पावेल का भी जन्मदिवस होता है। भारत में इसे प्रायः 'विश्व चिंतन दिवस' के रूप में भी जाना जाता है। इस अवसर पर करोड़ों स्काउट अपनी वर्दी धारण कर समाज सेवा, रक्तदान और सामुदायिक सहायता के माध्यम से अपने आदर्शों को जीवंत करते हैं। स्काउटिंग की नींव किसी मनोरंजन के लिए नहीं, बल्कि सैन्य अनुभव और राष्ट्र निर्माण की सोच के साथ पड़ी थी। लॉर्ड बैडेन-पावेल ने वर्ष 1907 में इंग्लैंड के ब्राउंसी द्वीप पर पहला प्रयोगात्मक शिविर लगाया था। युवाओं में आत्मनिर्भरता और चरित्र निर्माण के उद्देश्य से शुरू हुआ यह अभियान आज दुनिया का सबसे बड़ा स्वैच्छिक युवा संगठन बन चुका है। स्काउटिंग का प्रसिद्ध ध्येय वाक्य है 'सदैव तैयार रहो', जो मानसिक और शारीरिक सजगता की प्रेरणा देता है।

अनोखी परंपराएं और वैज्ञानिक आधार

स्काउटिंग की हर परंपरा के पीछे एक गहरा अर्थ छिपा है। स्काउट द्वारा बाएं हाथ से हाथ मिलाना प्रगाढ़ मित्रता और विश्वास का प्रतीक है, क्योंकि बायां हाथ हृदय के समीप होता है। स्काउट अभिवादन की तीन उंगलियां ईश्वर व देश के प्रति कर्तव्य, दूसरों की सहायता और नियमों के पालन को दर्शाती हैं। रोचक तथ्य यह है कि अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग एक उच्च श्रेणी के स्काउट थे और वे चंद्रमा पर भी स्काउटिंग का प्रतीक चिह्न साथ ले गए थे। वर्दी का हिस्सा 'गले का कपड़ा' केवल शोभा नहीं, बल्कि एक जीवनरक्षक साधन है। इसे आपातकाल में पट्टी के रूप में अथवा रक्त प्रवाह रोकने के लिए उपयोग करने हेतु विशेष रूप से बनाया गया है। स्काउट कमरबंद और रक्षा सामग्री उसे हर परिस्थिति के लिए सक्षम बनाते हैं।

भारत में स्काउटिंग का प्रभाव

भारत विश्व के सबसे बड़े स्काउट सदस्य देशों में से एक है। वर्तमान में 'भारत स्काउट्स एंड गाइड्स' के माध्यम से लगभग 60 लाख से अधिक युवा इस आंदोलन से जुड़े हैं। वर्ष 2025 में लखनऊ में आयोजित 19वें राष्ट्रीय सम्मेलन ने इस आंदोलन को नई ऊंचाई दी, जहां 30 हजार से अधिक सदस्यों ने सहभागिता की। चरित्र निर्माण से लेकर आपदा प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण तक, स्काउट हर मोर्चे पर अपनी भूमिका निभा रहे हैं।

संपन्न भविष्य और पर्यावरण

इस वर्ष 2026 का मुख्य विषय 'हमारी दुनिया, हमारा संपन्न भविष्यः पर्यावरण और वैश्विक निर्धनता' रखा गया है। यह विषय युवाओं को जलवायु परिवर्तन, कचरा प्रबंधन और सतत विकास के प्रति जागरूक करता है। यह संदेश बच्चों को एकल-उपयोग प्लास्टिक के त्याग और प्रकृति के अनुकूल जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करता है। यह सिखाता है कि पर्यावरण की रक्षा और निर्धनता उन्मूलन एक बेहतर भविष्य के अनिवार्य स्तंभ हैं। विश्व स्काउट दिवस केवल एक महापुरुष की जयंती नहीं, बल्कि अनुशासन, साहस और निस्वार्थ सेवा के उन मूल्यों को अपनाने का दिन है, जो एक श्रेष्ठ नागरिक की पहचान हैं।

अनचीन्हा, अंजाना साथी...

इंजी. अरुण कुमार जैन

अपनी माँ और अपनी भाषा, लगती सबसे प्यारी,

हिंदी, बुंदेली, मालवी, मारवाड़ी राजदुलारी।

अवधी, ब्रज, प्राकृत या पाली, संस्कृत सबसे न्यारी,

गुजराती, कन्नड़ व मराठी, सभी हैं गौरवशाली।

जिस वसुधा पर जन्म लिया, माँ वहीं की वाणी बोले,

पिता, भाई, बहना, संगी-साथी, मीठी मिश्री घोलें।

वही मधुर और अनुरागी, हर इक प्राणी को लगती,

अपनी धरती, मात-पिता और भाषा संग यात्रा चलती।

बड़े हुए हम, कहीं भी पहुँचे–फ्रांस, कनाडा, लंदन,

पूरी दुनिया में करते, अपनी भाषा का अभिनंदन।

साथ मिलें दो किसी धरा पर, प्रेम-नेह मन आता,

अनचीन्हा, अंजाना साथी, अनुरागी बन जाता।

रहें कहीं भी इस वसुधा पर, अपनी भाषा प्यारी,

ममता, गौरव, नेह, प्रेम की, यह सुरभित फुलवारी।

आओ अपनी मातृभाषा का, करें हम मिल संवर्धन,

अनुराग, अपनत्व, सद्भाव बढ़ाती, अपनी भाषा अभिनंदन।

संपर्क : अमृता चिकित्सालय, सेक्टर 88, फरीदाबाद, हरियाणा।
दूरभाष: 7999469175

भक्ति और उल्लास के रंगों में सराबोर हुआ श्री अग्रसेन पब्लिक स्कूल: नन्हे राधा-कृष्ण ने जीवंत की ब्रज की होली

जयपुर. शाबाश इंडिया

फाल्गुन मास के आगमन के साथ ही गुलाबी नगरी में रंगों के पर्व होली की उमंग हिलोरे लेने लगी है। इसी कड़ी में सांगानेरी गेट स्थित श्री अग्रसेन पब्लिक स्कूल के 'महाराजा अग्रसेन सभागार' में शनिवार को भव्य 'फागोत्सव' का आयोजन किया गया। भक्ति, संगीत और पारंपरिक उल्लास के इस संगम ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से महकी ब्रज की खुशबू

कार्यक्रम का शुभारंभ श्री अग्रवाल शिक्षा समिति के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल (गंगानगर मोटर्स), महासचिव नरेश सिंघल एवं विद्यालय सचिव कमल नानूवाला द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात विद्यालय की सांस्कृतिक मंडली ने राधा-कृष्ण की लीलाओं और होली के पारंपरिक गीतों से संपूर्ण वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

भजन संध्या: 'आज बिरज में होरी रे', 'होरी खेले रघुवीरा' और 'नैना नीचे कर ले श्याम' जैसे भजनों पर

कलाकारों ने फूलों की होली का ऐसा जीवंत चित्रण किया कि दर्शक भावविभोर हो उठे।

नन्हें कलाकारों का नृत्य: कक्षा प्रथम से चौथी तक के विद्यार्थियों ने 'होलिया में उड़े रे गुलाल' पर ऊर्जावान नृत्य प्रस्तुत किया। वहीं, नर्सरी और प्रेप के नन्हे बालकों ने 'वृंदावन में उड़े रे गुलाल' जैसे गीतों पर राधा-कृष्ण के बाल स्वरूप को मंच पर साकार कर दिया। महोत्सव की शुरूआत में छोटे-छोटे बच्चों ने राधा-कृष्ण के वेश में पधारे हुए अभिभावकों का तिलक और गुलाल लगाकर स्वागत किया। अंत में सामूहिक आरती के पश्चात सभी ने एक-दूसरे के साथ फूलों की होली खेली।

जोधपुर का मान: अनिल माथुर को नेपाल में मिला "मातृभाषा रत्न" सम्मान, अंतरराष्ट्रीय मंच पर मिली पहचान

जोधपुर. शाबाश इंडिया

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के पावन अवसर पर राजस्थान की सांस्कृतिक राजधानी जोधपुर के प्रमुख समाजसेवी और पर्यावरण प्रेमी अनिल माथुर को नेपाल स्थित 'शब्द प्रतिभा बहुक्षेत्रीय सम्मान फाउंडेशन' द्वारा "मातृभाषा रत्न" मानद उपाधि से विभूषित किया गया है। यह अंतरराष्ट्रीय सम्मान उन्हें मातृभाषा के संरक्षण और संवर्धन के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए विशिष्ट और अनुकरणीय कार्यों के लिए प्रदान किया गया है।

सतत प्रयासों और समर्पण को मान्यता

काठमांडू (नेपाल) में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम के दौरान अनिल माथुर के नाम की घोषणा की गई। फाउंडेशन द्वारा जारी

प्रशस्ति पत्र

सम्माननीय अनिल माथुर, जोधपुर, राजस्थान

"मातृभाषा रत्न" मानद उपाधि सम्मान

आपके उज्ज्वल भविष्य तथा दीर्घायु जीवन की कामना की जाती है।

आनन्द गिरि मायालु अध्यक्ष

स्थान - काठमांडो (नेपाल) 21 फरवरी 2026 अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

मंजु खरे, हरिया चयन समिति प्रमुख

प्रशस्ति पत्र में इस बात का विशेष उल्लेख किया गया कि श्री माथुर ने मातृभाषा के प्रचार-प्रसार और उसे नई पीढ़ी से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। उनके इसी समर्पण को देखते हुए संस्था के अध्यक्ष आनंद गिरि 'मायालु' एवं चयन समिति प्रमुख मंजु खरे ने उन्हें डिजिटल प्रशस्ति पत्र भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य और दीर्घायु की कामना की।

मातृभाषा: पहचान की आधारशिला

इस उपलब्धि पर आभार व्यक्त करते हुए अनिल माथुर ने कहा, मातृभाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, अपितु हमारी मूल पहचान और गौरवशाली संस्कृति की आधारशिला है। अपनी जड़ों और भाषा के संरक्षण हेतु निरंतर प्रयास करना हम प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। उन्होंने यह भी संकल्प दोहराया कि वे भारत और नेपाल के मध्य सांस्कृतिक और मधुर संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करने में सदैव अपना योगदान देते रहेंगे।

शहर में हर्ष की लहर

जोधपुर के सामाजिक और साहित्यिक जगत में लंबे समय से सक्रिय अनिल माथुर को यह अंतरराष्ट्रीय मानद उपाधि मिलने पर शहर के विभिन्न सामाजिक संगठनों, प्रबुद्धजनों और उनके शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। लोगों का मानना है कि इस प्रकार के सम्मान से स्थानीय भाषाओं और संस्कृति के प्रति कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन होता है।

भूकम्प सुरक्षा: सुरक्षित निर्माण से ही संभव है जन-धन की रक्षा, कोटा में 'टेक्नोबिल्ड' तकनीकी संगोष्ठी संपन्न

कोटा. शाबाश इंडिया

निर्माण जगत में भूकम्प सुरक्षा के प्रति जागरूकता और तकनीकी दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से 'जेके सीमेंट लिमिटेड' द्वारा अपनी विशिष्ट 'टेक्नोबिल्ड' पहल के अंतर्गत एक दिवसीय तकनीकी संगोष्ठी (सेमिनार) का आयोजन किया गया। शुक्रवार को आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य विषय ''भूकम्प प्रतिरोधी निर्माण पद्धतियाँ'' रहा। संगोष्ठी में विषय विशेषज्ञों ने आधुनिक निर्माण तकनीकों और आपदा प्रबंधन के विधिक व तकनीकी पक्षों पर विस्तार से चर्चा की।

तकनीकी बारीकियों पर विशेषज्ञों का मंथन

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं 'भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान' (आईआईटी) रुड़की से संबद्ध भूकम्प अभियंता मनीष जैन ने अपने तकनीकी व्याख्यान में चौंकाने वाले तथ्य साझा किए। उन्होंने बताया कि भारत का लगभग 60 प्रतिशत भू-भाग भूकम्प की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों (जोन) में आता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भूकम्प स्वयं जानलेवा नहीं होता, बल्कि असुरक्षित और कमजोर निर्माण जन-धन की हानि का प्राथमिक कारण बनते हैं।

व्याख्यान के प्रमुख बिंदु

तन्य विस्तारण (डक्टाइल डिटेलिंग): संरचनाओं में लचीलापन लाने के लिए मानकों के अनुरूप सरिया बांधने की तकनीक पर बल दिया गया।

त्रुटियों से बचाव: निर्माण के दौरान होने वाली सामान्य मानवीय और तकनीकी गलतियों को रेखांकित किया गया।

सक्षम विशेषज्ञों की भूमिका: सुरक्षित अधोसंरचना के विकास में अभियंता (इंजीनियर), वास्तुकार (आर्किटेक्ट) और ठेकेदारों के आपसी समन्वय को अनिवार्य बताया गया।

विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति

संगोष्ठी में 'द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स' (इंडिया) के राजस्थान राज्य केंद्र के अध्यक्ष महेंद्र सिंह चौहान, आईईआई कोटा के स्थानीय केंद्र अध्यक्ष डी. के. जैन और सार्वजनिक निर्माण विभाग के सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता पी. के. जैन ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। अतिथियों ने साझा किया कि सुरक्षित निर्माण पद्धतियों को अपनाना अब विकल्प नहीं बल्कि समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। आपदा-रोधी अधोसंरचना विकसित कर ही हम जन-जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं।

प्रशासनिक एवं संगठनात्मक सहभागिता

जेके सीमेंट की ओर से तकनीकी सेवा प्रमुख (स्टेट हेड) राहुल पटवा, विपणन प्रमुख वरुण झा, क्षेत्रीय अभियंता पवन मीणा और क्षेत्र विक्रय प्रबंधक नंदलाल चौबीसा ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। अधिकारियों ने बताया कि 'टेक्नोबिल्ड' पहल के माध्यम से कंपनी का लक्ष्य निर्माण क्षेत्र से जुड़े लोगों को आधुनिक और सुरक्षित तकनीकों से शिक्षित करना है। कार्यक्रम का समापन एक संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जिसमें स्थानीय अभियंताओं और निर्माण विशेषज्ञों ने मुख्य वक्ता से अपनी शंकाओं का समाधान किया। अंत में सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं 'भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान' (आईआईटी) रुड़की से संबद्ध भूकम्प अभियंता मनीष जैन ने अपने तकनीकी व्याख्यान में चौंकाने वाले तथ्य साझा किए। उन्होंने बताया कि भारत का लगभग 60 प्रतिशत भू-भाग भूकम्प की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों (जोन) में आता है।

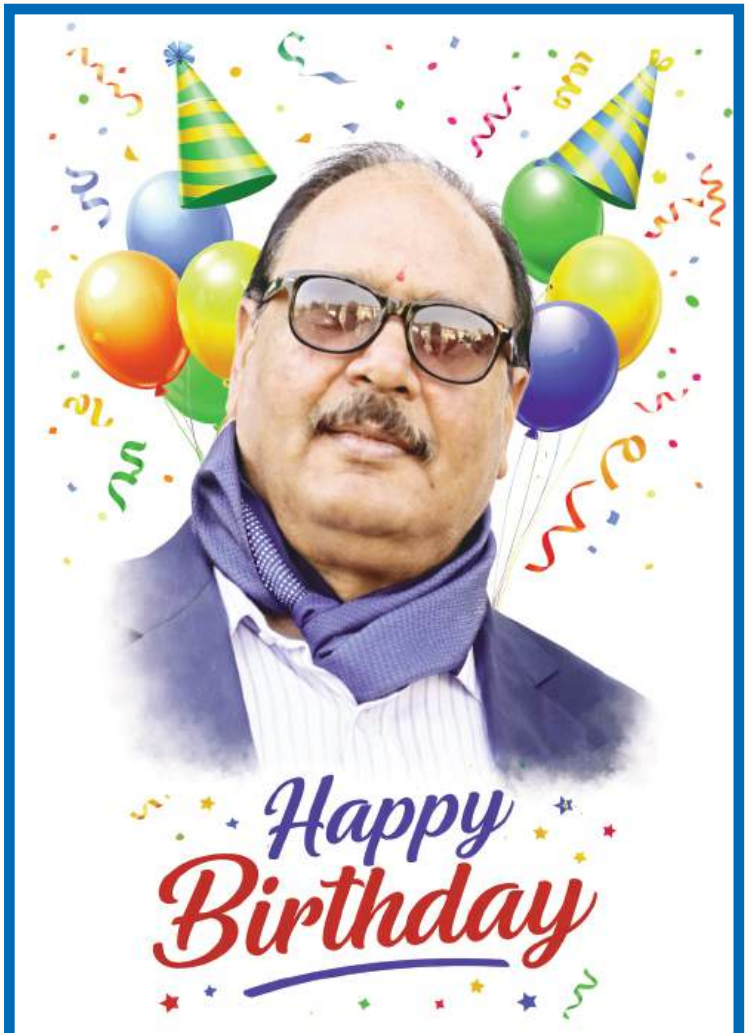

प्रमुख समाजसेवी

श्री दर्शन जैन बाकलीवाल

मोबाईल नंबर 9414073035

को जन्मदिन (22 फरवरी) पर

हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई

शुभेच्छु: समस्त परिवार जन व मित्रगण

पद्मावती पब्लिक स्कूल में 'ज्ञानोत्सव'

नन्हे वैज्ञानिकों ने मॉडलों के जरिए दिखाई अपनी रचनात्मकता, राजस्थानी संस्कृति की दिखी झलक

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानसरोवर स्थित 'श्री महावीर दिगंबर जैन शिक्षा परिषद' द्वारा संचालित पद्मावती पब्लिक स्कूल में शनिवार को 'ज्ञानोत्सव प्रदर्शनी' का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय का परिसर नन्हे विद्यार्थियों की कल्पनाशीलता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से महक उठा। विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर अपने नवाचारी प्रोजेक्ट्स (नवाचारों) के माध्यम से अतिथियों और अभिभावकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

विज्ञान और संस्कृति का अनूठा संगम

विद्यालय की आचार्या श्रीमती हेमलता जैन ने बताया कि इस प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने अपनी रुचि के अनुसार विज्ञान, वनस्पति विज्ञान और राजस्थान की गौरवशाली संस्कृति पर आधारित जीवंत मॉडल प्रस्तुत किए। नन्हे विद्यार्थियों ने न केवल सुंदर प्रोजेक्ट्स बनाए, बल्कि पूर्ण आत्मविश्वास के साथ उपस्थित जनसमूह को उनकी कार्यप्रणाली और महत्व की जानकारी भी दी। यह उनके संप्रेषण कौशल (कम्युनिकेशन स्किल्स) और अभिव्यक्ति की क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण रहा।

अतिथियों ने बढ़ाया बच्चों का उत्साह

कार्यक्रम में 'श्री महावीर दिगंबर जैन शिक्षा परिषद' के अध्यक्ष उमरावमल संघी, कोषाध्यक्ष महेश काला और संयोजक मुकेश सोगानी सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। परिषद के पदाधिकारियों ने प्रत्येक स्टाल (प्रदर्शनी स्थल) पर जाकर बच्चों के कार्यों का अवलोकन किया और उनकी रचनात्मकता की मुक्त कंठ से सराहना की।

सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण मंच

अभिभावकों को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि 'ज्ञानोत्सव' जैसे आयोजन बच्चों के व्यक्तित्व विकास में मील का पत्थर साबित होते हैं। ये मंच न केवल उनमें आत्मविश्वास का संचार करते हैं, बल्कि उनकी रचनात्मक सोच और संप्रेषण क्षमता को भी नई ऊँचाइयां प्रदान करते हैं। प्रदर्शनी के दौरान बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे, जिन्होंने बच्चों के श्रम और प्रतिभा को देख अपनी प्रसन्नता व्यक्त की।

पदमपुरा में गूँजी तीर्थंकर की दिव्य देशना

केवल ज्ञान कल्याणक पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, आज मोक्ष कल्याणक के साथ होगा महोत्सव का समापन

जयपुर/पदमपुरा. शाबाश इंडिया

अतिशय क्षेत्र पदमपुरा की पावन धरा पर आयोजित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा एवं कलशारोहण महामहोत्सव के चतुर्थ दिन शनिवार को भक्ति और उल्लास का चरमोत्कर्ष देखने को मिला। वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में खड़गासन चौबीसी की प्राण-प्रतिष्ठा के अंतर्गत 'केवल ज्ञान कल्याणक' की मांगलिक क्रियाएं संपन्न हुईं। तीर्थंकर की दिव्य ध्वनि (देशना) श्रवण करने के लिए पूरे देश से आए हजारों श्रद्धालुओं के जयकारों से संपूर्ण क्षेत्र गुंजायमान रहा। महोत्सव का शुभारंभ प्रातः 6:30 बजे प्रतिष्ठाचार्य पंडित हंसमुख जैन धरियावद के निर्देशन में अभिषेक और शांतिधारा के साथ हुआ। सौधर्म इंद्र सुरेंद्र-मृदुला पांड्या के नेतृत्व में भक्तों ने भक्ति भाव से जिनार्चना की। इस अवसर पर समाज के श्रेष्ठियों द्वारा चित्र अनावरण और दीप प्रज्ज्वलन किया गया, जिसके पश्चात आचार्य श्री के पाद पक्षालन का सौभाग्य प्रकाश चंद जैन (चेन्नई) को प्राप्त हुआ।

समवशरण में खिरी दिव्य ध्वनि: आचार्य श्री का संबोधन

तीर्थंकर को केवल ज्ञान प्राप्त होने के उपरांत 'समवशरण' की भव्य रचना की गई, जिसका उद्घाटन धर्मेंद्र सेठी (दिल्ली) ने किया। समवशरण में विराजमान होकर गणधर के रूप में आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने दिव्य देशना दी।

आचार्य श्री के प्रवचन के मुख्य अंश

दान की महिमा: आचार्य श्री ने कहा कि मनुष्य का पुरुषार्थ तभी सार्थक है जब वह निर्ग्रंथ दिगंबर मुनिराजों को दान दे। दान के बिना संचित धन व्यर्थ है।

मोक्ष मार्ग: भगवान ऋषभदेव ने संसार के प्राणियों को कल्याण का मार्ग दिखाया। मोह, राग और द्वेष ही संसार में परिभ्रमण का कारण हैं। मोह को जीतना ही सबसे कठिन साधना है।

गुरु भक्ति: गुरु के चरणों में शिष्य का चेहरा सदैव खिला हुआ रहना चाहिए। समय के अनुकूल किया गया कार्य ही व्यक्ति को 'समयसार' बना देता है।

ऐतिहासिक दृश्य: प्रथम आहार और पंचाश्चर्य

प्रातः काल तीर्थंकर महामुनि आदिनाथ का 'चर्या' (भ्रमण) हेतु नगर में आगमन हुआ। श्रद्धालुओं के भारी हुजूम के बीच राजा श्रेयांस ने इक्षु रस (गन्ने का रस) से प्रभु को प्रथम आहार दिया। इस दृश्य के साथ ही देवों द्वारा किए गए 'पंचाश्चर्य' (रत्नों की वर्षा आदि) के दृश्यों ने भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

विशिष्ट अनुष्ठान और क्रियाएं

दोपहर के सत्र में प्रतिष्ठित होने वाली प्रतिमाओं पर आचार्य श्री द्वारा 'अंकन्यास' (अंजनशलाका) की क्रिया संपन्न की गई। इसके अंतर्गत अधिवासना, मुखोद्घाटन, नयनोन्मिलन और सूरिमंत्र जैसी विधिक क्रियाएं पूर्ण हुईं। इससे पूर्व मंदिर परिसर में 'चक्रवर्ती दिग्विजय जुलूस' निकाला गया, जिसमें बैंड-बाजों के साथ भव्य लवाजमा शामिल रहा।

सांस्कृतिक संध्या: भरत का भारत

संध्या काल में शास्त्र सभा और चक्रवर्ती के दरबार का दृश्य मंचित किया गया। रात्रि में इंदौर की रंगशाला नाट्य अकादमी के कलाकारों द्वारा 'महानाट्य - भरत का भारत' की अत्यंत प्रभावशाली प्रस्तुति दी गई। इस नाटक के माध्यम से चक्रवर्ती भरत के जीवन और भारत की गौरवशाली परंपरा को दर्शाया गया।

रविवार का विशेष आकर्षण: मोक्ष कल्याणक और दीक्षा समारोह

महोत्सव के अंतिम दिन यानी 22 फरवरी को मोक्ष कल्याणक की क्रियाएं संपन्न होंगी। रविवार का दिन ऐतिहासिक होने वाला है

क्योंकि **जैनेश्वरी दीक्षा:** आचार्य वर्धमान सागर महाराज अपने कर-कमलों से जयपुर निवासी मुन्ना लाल टकसाली को 121वीं दीक्षा के रूप में मुनि दीक्षा प्रदान करेंगे।

कलशारोहण: नवनिर्मित पद्मबल्लभ शिखर (108 फीट ऊँचा) पर 75 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद आर.के. मार्बल्स (पाटनी परिवार) द्वारा स्वर्ण कलश और ध्वजा स्थापित की जाएगी।

विशाल धर्म ध्वजा: राजस्थान के जैन मंदिरों के इतिहास में पहली बार मंदिर परिसर में 111 फीट ऊँची धर्म ध्वजा स्थापित की जाएगी, जिसका पुण्य लाभ तारा चंद पोल्याका एवं परिवार को प्राप्त हुआ है।

विश्व शांति महायज्ञ: पंचकल्याणक के समापन पर विश्व कल्याण की भावना से महायज्ञ और भव्य रथयात्रा निकाली जाएगी। अध्यक्ष सुधीर कुमार जैन और महामंत्री हेमंत सोगानी ने समस्त धर्मप्रेमियों से इस ऐतिहासिक समापन समारोह और दीक्षा महोत्सव में सम्मिलित होने का आह्वान किया है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

भविष्य की नींवः महावीर पब्लिक स्कूल में कक्षा 9 हेतु विषय चयन कार्यशाला, एआई और डेटा साइंस जैसे विषयों पर हुआ मार्गदर्शन

जयपुर. शाबाश इंडिया

सी-स्कीम स्थित महावीर पब्लिक स्कूल में शनिवार को कक्षा 8 से 9 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए एक विशेष 'अभिविन्यास कार्यक्रम' (ओरिएंटेशन) का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को सही विषय चयन के माध्यम से भविष्य की शैक्षणिक राह स्पष्ट करना था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावकों ने भाग लेकर विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त किया।

तकनीकी और कौशल विषयों पर विशेष सत्र

वर्तमान युग में उभरती प्रौद्योगिकियों के महत्व को देखते हुए विषय विशेषज्ञों ने नवीन कौशल विषयों पर विस्तार से चर्चा की। अक्सर विद्यार्थी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और आईटी जैसे विषयों के चयन को लेकर दुविधा में रहते हैं। विशेषज्ञों ने इन विषयों की उपयोगिता, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के परीक्षा पैटर्न और भविष्य में इनके माध्यम से करियर की संभावनाओं को रेखांकित किया।

द्वितीय भाषा: हिंदी और संस्कृत का महत्व

कार्यक्रम के दौरान द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी अथवा संस्कृत के चयन पर भी सार्थक विमर्श हुआ। शिक्षकों ने बताया कि जहाँ हिंदी भाषा कौशल और अभिव्यक्ति की क्षमता को सुदृढ़ करती है, वहीं संस्कृत व्याकरणिक शुद्धता, तार्किक क्षमता और सांस्कृतिक जड़ों को समझने में सहायक है। अभिभावकों को दोनों भाषाओं के पाठ्यक्रम और अंक योजना के बारे में तुलनात्मक जानकारी दी गई।

प्रधानाचार्या का संबोधनः रुचि और क्षमता का संतुलन

विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती सीमा जैन ने दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अभिभावकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, कक्षा 9 में विषयों का चयन विद्यार्थियों के शैक्षणिक करियर का सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव है। विद्यार्थियों को किसी के दबाव में आने के बजाय अपनी व्यक्तिगत रुचि, क्षमता और दीर्घकालिक लक्ष्यों को ध्यान में रखकर निर्णय लेना चाहिए। उन्होंने विश्वास दिलाया कि विद्यालय विद्यार्थियों के समग्र विकास हेतु सदैव प्रतिबद्ध है।

जिज्ञासाओं का समाधान

कार्यक्रम के प्रारंभ में समन्वयक (कोऑर्डिनेटर) श्रीमती वंदना जैन ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। अंतिम सत्र में आयोजित 'प्रश्नोत्तर सत्र' में अभिभावकों ने विशेषज्ञों से अपने संदेह दूर किए। अभिभावकों ने विद्यालय की इस पहल की सराहना करते हुए इसे समयोचित और अत्यंत उपयोगी बताया।

पैनल अधिवक्ताओं एवं पैरा लीगल वॉलंटियर्स के लिए महत्वपूर्ण वर्कशॉप आयोजित

ऐलनाबाद. शाबाश इंडिया

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में शनिवार को जिला एडीआर सेंटर के कॉन्फ्रेंस हॉल में पैनल अधिवक्ताओं एवं पैरा लीगल वॉलंटियर्स के लिए एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विधिक सेवाओं से जुड़े प्रतिनिधियों को नवीन कानूनी प्रावधानों, सरकारी योजनाओं तथा सामाजिक विषयों से संबंधित अद्यतन जानकारी प्रदान करना रहा। प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रवेश सिंगला ने बताया कि कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को विधिक सेवा गतिविधियों के प्रभावी संचालन तथा आमजन तक न्यायिक सहायता पहुंचाने के विभिन्न पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया गया। उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ अधिवक्ताओं और पैरा लीगल वॉलंटियर्स को नवीन कानूनों एवं योजनाओं की जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है, ताकि जरूरतमंद लोगों को समय पर उचित कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जा सके। कार्यशाला में डिप्टी एलएडीसी के.एस. गिल, डिप्टी एलएडीसी वंदना मोंगा, सहायक एलएडीसी अमित तथा अधिवक्ता कृष्ण लंबा ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में प्रतिभाग किया। उन्होंने डिजिटल युग में विधिक सेवाओं के प्रभावी प्रबंधन, आशा योजना एवं बाल विवाह मुक्त भारत अभियान, उत्तर प्रदेश राज्य बनाम अजमल बेग मामले में जारी दिशा-निर्देशों, पॉक्सो एक्ट एवं पोश एक्ट के प्रावधानों सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। इसके अलावा वक्ताओं ने गरीबी उन्मूलन से संबंधित योजनाओं, ''मेडिएशन फॉर नेशन 2.0'' अभियान तथा निःशुल्क विधिक सहायता सेवाओं की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि मध्यस्थता प्रणाली को मजबूत बनाकर न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या कम की जा सकती है और लोगों को शीघ्र न्याय दिलाया जा सकता है। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से सहभागिता करते हुए विभिन्न कानूनी विषयों पर अपने प्रश्न भी रखे, जिनका विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया गया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

उपाध्यायश्री विहसंतसागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में संपन्न हुई माता मरुदेवी एवं राजा नाभिराय की गोद भराई

आगरा. शाबाश इंडिया

गंगे गौरी, बल्केश्वर स्थित सर्वतोभद्र जिनालय में आगामी अप्रैल माह में आयोजित होने वाले पंचकल्याणक महोत्सव के अंतर्गत शुक्रवार, 21 फरवरी को प्रातः 8:30 बजे तीर्थंकर बालक आदिकुमार की माता मरुदेवी एवं राजा नाभिराय की पारंपरिक गोद भराई एवं सम्मान समारोह श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

यह मांगलिक आयोजन उपाध्यायश्री विहसंतसागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर स्थित आचार्य विद्यासागर संत निलय में आयोजित धर्मसभा के दौरान सम्पन्न कराया गया। समारोह में माता मरुदेवी के रूप में श्रीमती स्नेहलता जैन तथा राजा नाभिराय के रूप में श्री पारसदास जैन की गोद भराई की रस्म विधि-विधान, मंगलाचरण एवं धार्मिक

परंपराओं के अनुसार सम्पन्न कराई गई। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने मंगल गीतों, जयघोष एवं पूजन-अर्चन के माध्यम से पूरे सभागार को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दिया। परंपरा अनुसार श्रद्धालुओं द्वारा पंचमेवा, गोला एवं मंगल राशि अर्पित कर धर्मलाभ प्राप्त किया गया तथा आगामी पंचकल्याणक महोत्सव के सफल एवं भव्य आयोजन हेतु मंगलकामनाएं व्यक्त की गईं। धर्मसभा में वक्ताओं ने पंचकल्याणक महोत्सव के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में धार्मिक संस्कारों, आस्था और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का कार्य करते हैं। साथ ही उन्होंने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से महोत्सव में सहभागिता का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में आयोजन समिति द्वारा उपस्थित सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया गया तथा आगामी धार्मिक आयोजनों में सक्रिय भागीदारी का आग्रह किया गया। पूरे आयोजन के दौरान जिनालय परिसर श्रद्धा, उत्साह और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत दिखाई दिया। इस अवसर पर जगदीश प्रसाद जैन, मनोज जैन बाकलीवाल, अनिल रईस, नरेश जैन, अनिल जैन, राकेश जैन बजाज, बंटी जैन, वंदना जैन, रश्मि जैन, शशि पाटनी, अंकिता जैन सहित ग्रेटर कमला नगर जैन समाज के अनेक श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रिपोर्ट – शुभम जैन

उमरदा में निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित, सैकड़ों ग्रामीणों ने उठाया लाभ

उमरदा. शाबाश इंडिया

राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, उमरदा में आयोजित निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में कुल 591 ग्रामीणों की नेत्र जांच की गई, जिनमें से 51 मरीजों का मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयन किया गया। शिविर के मुख्य अतिथि बपावर डिप्टी साहब मदन जी ढाका का माल्यार्पण, साफा एवं दुपट्टा पहनाकर सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया। उन्होंने फीता काटकर शिविर का शुभारंभ किया तथा ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के इस प्रयास की सराहना की। शिविर के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने निःशुल्क नेत्र परीक्षण कर मरीजों को आवश्यक परामर्श दिया। मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों का ऑपरेशन हेतु चयन कर उनके आगे के उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। समय पर जांच और उपचार मिलने से ग्रामीणों ने राहत महसूस की। शिविर के मुख्य आयोजक करण सिंह नायक (उमरदा) रहे। आयोजन को सफल बनाने में शिवराज जी, पंकज, लीलाधर गोड़, सुरेंद्र नागर, चिंताराम मीणा, ओमप्रकाश परेता, अक्षय, रामावतार नायक, पांचाल, गजेंद्र सिंह, जयराज सिंह, वीरेंद्र सिंह, विकास मेहता, रविकांत नायक, रविकांत वैष्णव, कुलदीप मेहता, कोशल धाकड़, कपिल गुज्जर तथा पंकज पांचाल सहित अनेक सहयोगियों का विशेष योगदान रहा।

राष्ट्रीय पैरा रोड साइकिलिंग

हरियाणा के नील यादव और डॉ. गीता ने जीते रजत पदक, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाई प्रदेश की साख

कुरुक्षेत्र/हैदराबाद. हैदराबाद की मेजबानी में आयोजित 'द्वितीय राष्ट्रीय पैरा रोड साइकिलिंग प्रतियोगिता' में हरियाणा के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए दो रजत पदक झटके हैं। इस राष्ट्रीय स्पर्धा में प्रदेश के अंतरराष्ट्रीय पैरा साइकिलिस्ट नील यादव और डॉ. गीता ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर हरियाणा का गौरव बढ़ाया है।नील यादव और डॉ. गीता की दोहरी सफलताप्रतियोगिता के कड़े मुकाबलों के बीच हरियाणा की ओर से नील यादव ने 'C-II' श्रेणी में अपनी रफ्तार का प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। वहीं, महिला वर्ग की 'C-2' श्रेणी में डॉ. गीता ने अपनी तकनीकी दक्षता और साहस का परिचय देते हुए दूसरा रजत पदक हासिल कर प्रदेश को गौरवान्वित किया।समान अवसर और बढ़ता मनोबलखिलाड़ियों की इस शानदार उपलब्धि पर हरियाणा राज्य साइकिलिंग संघ के महासचिव नीरज तंवर ने बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार की समावेशी खेल नीतियां रंग ला रही हैं। उन्होंने कहा, सरकार दिव्यांग खिलाड़ियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें सम्मानजनक मंच प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। आज दिव्यांग खिलाड़ियों को भी सामान्य वर्ग के समान खेल योजनाओं का लाभ मिल रहा है, जिससे उनका मनोबल बढ़ा है। तंवर ने विश्वास व्यक्त किया कि ये खिलाड़ी आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी अपने कौशल का प्रदर्शन कर देश के लिए पदक जीतेंगे। टीम प्रबंधन और भविष्य की राहहरियाणा टीम के प्रबंधक जगदीश असीजा ने खिलाड़ियों के साथ रहकर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर यह प्रदर्शन खिलाड़ियों के कठोर परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रेरणा देते हुए कहा कि वे यहीं न रुकें, बल्कि अंतरराष्ट्रीय फलक पर तिरंगा लहराने के लिए अपनी तैयारी जारी रखें।उल्लेखनीय है कि इस प्रतियोगिता में हरियाणा दल के कई अन्य खिलाड़ियों ने भी सराहनीय प्रदर्शन कर शीर्ष क्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है।

सोनागिरजी का वार्षिक मेला 4 मार्च से: उमड़ेगा आस्था का सैलाब

पर्वतराज पर सजेगी भक्ति की महफिल, विशेष ट्रेनों का होगा ठहराव

दतिया/सोनागिर. शाबाश इंडिया

बुंदेलखंड के गौरव और जैन समाज के पावन मुक्तिधाम, श्री दिगंबर जैन सिद्धक्षेत्र सोनागिरजी का पांच दिवसीय वार्षिक मेला आगामी 4 मार्च से 8 मार्च तक आयोजित किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन में देश के कोने-कोने से हजारों श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना है। मेले के सफल संचालन के लिए सिद्धक्षेत्र संरक्षिणी कमेटी (न्यास) ने अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देना प्रारंभ कर दिया है।

धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा

कमेटी के अध्यक्ष योगेश जैन खतौली एवं मंत्री बालचंद जैन ने बताया कि मेले का शुभारंभ चैत्र कृष्ण एकम (4 मार्च) को होगा। पांच दिनों तक चलने वाले इस महोत्सव में प्रतिदिन विभिन्न अनुष्ठान संपन्न होंगे:

प्रातःकाल: जिनेंद्र देव के दर्शन और पर्वतराज की वंदना।

मध्याह्न: तलहटी में स्थित जिनालयों की भव्य रथयात्रा, शास्त्र प्रवचन, विद्वत सम्मेलन और कलशाभिषेक।

सायंकाल: भक्ति भाव के साथ पर्वतराज की परिक्रमा।

रात्रिकाल: पर्वतराज पर महाआरती और 'चंद्रनगर' सभागार में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत अखिल भारतीय कवि सम्मेलन, धार्मिक नाट्य मंचन और भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इस महोत्सव में केंद्र एवं प्रांतीय शासन के मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और विद्वतजनों को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

साढ़े पांच करोड़ मुनियों की निर्वाण स्थली: एक परिचय

सोनागिरजी वह पावन भूमि है जहाँ आठवें तीर्थंकर भगवान चंद्रप्रभु का समवशरण आया था। यहाँ से नंग-अनंग कुमार सहित साढ़े पांच करोड़ मुनिराजों ने मोक्ष प्राप्त किया है। पर्वतराज पर 72 भव्य जिनालय और नवनिर्मित नंदीश्वर द्वीप स्थित हैं। मुख्य मंदिर

(क्रमांक 57) में विक्रम संवत 335 की प्रतिष्ठित भगवान चंद्रप्रभु की चमत्कारी खड्गासन प्रतिमा विराजमान है, जो वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण है।

यात्रियों के लिए विशेष परिवहन व्यवस्था

सिद्धक्षेत्र सोनागिरजी दिल्ली-मुंबई रेलमार्ग पर स्थित है। श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु रेल मंत्रालय द्वारा 1 मार्च से 10 मार्च तक प्रमुख रेलगाड़ियों का विशेष ठहराव सुनिश्चित किया गया है। इनमें बुंदेलखंड एक्सप्रेस, खजुराहो इंटरसिटी, महाकौशल एक्सप्रेस, चंबल एक्सप्रेस और बरौनी मेल शामिल हैं। इसके अतिरिक्त छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस और पैसेंजर रेलगाड़ियाँ यहाँ नियमित रूप से रुकती हैं। सड़क मार्ग से आने वाले यात्रियों के लिए मध्यप्रदेश परिवहन की बसें सोनागिर तिराहे पर उपलब्ध रहेंगी।

आवास एवं सुरक्षा प्रबंध

कमेटी द्वारा यात्रियों के लिए आवास, भोजनालय और सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था की गई है। किसी भी सहायता या जानकारी के लिए श्रद्धालु समिति के दूरभाष नंबरों 9993363242 और 9425726867 पर संपर्क कर सकते हैं।

णमोकार तीर्थ में रचा गया इतिहास

7 मुनिराजों को "आचार्य पद" एवं 6 आर्यिका माताजी को 'गणिनी पद' प्रदान

औरंगाबाद / णमोकार तीर्थ, चांदवड (संवाददाता)। महाराष्ट्र के चांदवड स्थित प्रसिद्ध णमोकार तीर्थ में ऐतिहासिक पंचकल्याणक महोत्सव की अभूतपूर्व सफलता के बाद एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया। गणधराचार्य कुंथूसागरजी महाराज की प्रेरणा तथा राष्ट्रसंत परम पूज्य आचार्य श्री देवनंदीजी गुरुदेव एवं आचार्य श्री सुविधीसागरजी महाराज के पावन सान्निध्य में आयोजित भव्य संस्कार समारोह में सात मुनिराजों को आचार्य पद तथा छह आर्यिका माताजी को गणिनी पद से विभूषित किया गया। यह ऐतिहासिक अवसर श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत भावुक और गौरवपूर्ण क्षण बन गया। समारोह में आचार्य श्री पद्मनंदीजी, आचार्य श्री कुमुदनंदीजी, आचार्य श्री कर्मविजयनंदीजी, आचार्य श्री वीरनंदीजी तथा बालब्रह्मचारी वैशाली दीदी सहित अनेक साधु-साध्वियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मंत्रोच्चार एवं जयघोष के बीच सम्पन्न हुआ संस्कार समारोह

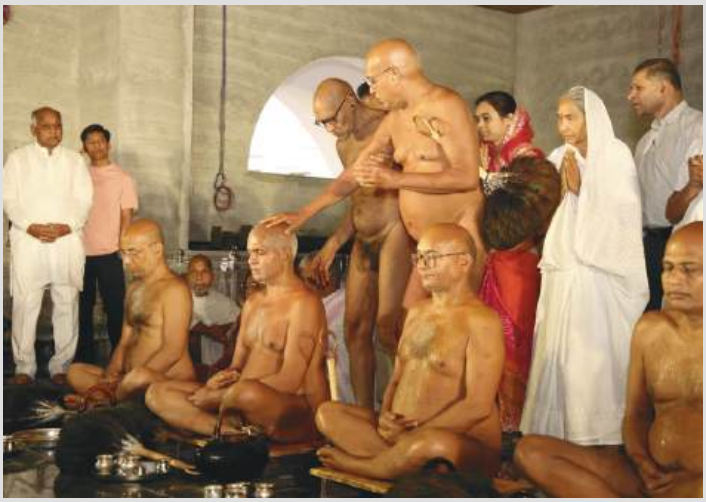

प्रातः 7:30 बजे मंत्रोच्चार एवं मंगल ध्वनियों के साथ समारोह का शुभारंभ हुआ। आध्यात्मिक वातावरण में दीक्षार्थियों को विधि-विधानपूर्वक उच्च पदों पर प्रतिष्ठित किया गया। उल्लेखनीय है कि णमोकार तीर्थ में 6 से 13 फरवरी तक भव्य पंचकल्याणक महोत्सव का आयोजन किया गया था। उसके उपरांत आयोजित इस पदग्रहण संस्कार ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। आचार्य श्री देवनंदीजी महाराज संघ के शिष्य मुनिश्री पावनकीर्ति जी, मुनिश्री अमोघकीर्ति जी, मुनिश्री अमरकीर्ति जी, मुनिश्री जयकीर्ति जी, मुनिश्री सकलकीर्ति जी, मुनिश्री शुभमकीर्ति जी तथा मुनिश्री आर्षकीर्ति जी—इन सात मुनिराजों को आचार्य पद प्रदान किया गया। इसी प्रकार कीर्तिश्री माताजी, सुयोगमती माताजी, सम्यकश्री माताजी, स्वस्तीश्री माताजी, सुज्ञानश्री माताजी एवं प्रज्ञानश्री माताजी—इन छह आर्यिका माताजी को गणिनी पद से अलंकृत किया गया।

> पूरे आयोजन के दौरान णमोकार तीर्थ परिसर आचार्य श्री की जय एवं णमोकार तीर्थ की जय के जयघोष से गुंजायमान रहा। इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने के लिए देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जयघोष से गूंजा तीर्थ परिसर

पूरे आयोजन के दौरान णमोकार तीर्थ परिसर आचार्य श्री की जय एवं णमोकार तीर्थ की जय के जयघोष से गुंजायमान रहा। इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने के लिए देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। णमोकार तीर्थ क्षेत्र समिति के अनुसार पदग्रहण संस्कारों के पश्चात तीर्थ क्षेत्र में महामस्तकाभिषेक सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों की श्रृंखला प्रारंभ हो चुकी है। तीर्थ पर उमड़ा जनसैलाब इसकी बढ़ती धार्मिक महिमा और आस्था का प्रमाण बन रहा है। — **नरेंद्र अजमेरा, पीयूष कासलीवाल (औरंगाबाद)**

पदमपुरा पंचकल्याणक

'वज्रबाहु के वैराग्य' ने भक्तों को किया भावविभोर

जौहरी बाजार महिला समिति की सुंदर प्रस्तुति

पदमपुरा. शाबाश इंडिया।
अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में आयोजित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के चतुर्थ दिन 'तप कल्याणक' के अवसर पर जौहरी बाजार दिगम्बर जैन महिला समिति द्वारा एक गरिमामयी सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भक्तिमय मंगलाचरण से हुआ, जिसके पश्चात राहुल जैन के कुशल निर्देशन में 'वज्रबाहु का वैराग्य' नृत्य नाटिका का भावपूर्ण मंचन किया गया। इस नाटिका में मार्मिक दृश्यों के माध्यम से दर्शाया गया कि कैसे जीजा-साले के मध्य हुए एक छोटे से परिहास (मजाक) ने जीवन की दिशा बदल दी और वैराग्य का मार्ग प्रशस्त किया। कलाकारों के जीवंत अभिनय ने उपस्थित जनसमूह को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर समिति की अध्यक्षा डॉ. शीला जैन एवं मंत्री पुष्पा सोगानी का विशेष सम्मान किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रीना ठोलिया, नीरा लुहाड़िया, सुधा वैद्य, सीमा, शिक्षा, अर्चना पाटनी, बबीता, मंजू, ऋतु सोगानी और ऋतु पापड़ीवाल ने सक्रिय भूमिका निभाई। प्रचार मंत्री नीरा लुहाड़िया ने बताया कि समिति सदैव धार्मिक संस्कारों के संवर्धन हेतु प्रयासरत रहती है।

22 फरवरी

संगिनी फॉर एवर ग्रुप की एवं दिगम्बर जैन महासमिति महिला अंचल की सदस्य

श्रीमती सुविधा-श्री नवीन जी

को वैवाहिक वर्षगांठ की बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनायें

शुभेच्छु
शकुंतला जैन बिंदायका, अध्यक्ष
सुनीता गंगवाल, सचिव
उर्मिला जैन, कोषाध्यक्ष
एवं समस्त सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉर एवर

टीवी शो "एसजीटी हुनर के रंग" में नजर आएंगे कवि नवीन जैन "नव", आज होगा प्रसारण

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

जिले के बोगोद निवासी युवा कवि नवीन जैन 'नव' एक बार फिर अपनी प्रतिभा का परचम लहराते हुए क्षेत्र का नाम रोशन करने जा रहे हैं। इस बार वे ईश्वर चैनल पर प्रसारित होने वाले देश के चर्चित टीवी रियलिटी शो 'एसजीटी – हुनर के रंग' में अपनी काव्य प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए दिखाई देंगे। कार्यक्रम के डायरेक्टर अजय पंवार ने जानकारी देते हुए बताया कि कवि नवीन जैन 'नव' की कविताओं का विशेष प्रसारण रविवार रात्रि 10:30 बजे ईश्वर चैनल पर किया जाएगा। इस कार्यक्रम में उनकी प्रस्तुति दर्शकों को हास्य, व्यंग्य और संवेदनाओं से भरपूर काव्य रस का आनंद प्रदान करेगी। उल्लेखनीय है कि नवीन जैन 'नव' इससे पूर्व भी कई राष्ट्रीय स्तर के टीवी रियलिटी शो एवं काव्य मंचों पर अपनी प्रभावशाली प्रस्तुतियों से पहचान बना चुके हैं। वे आईटीएफ, आईजीटीएफ और टैलेंट प्लस जैसे टीवी रियलिटी शो के अलावा कवि दरबार, सतमोला कवियों की चौपाल तथा ठहाकों की महफिल जैसे लोकप्रिय काव्य कार्यक्रमों में भी अपनी कविताओं की सुगंध बिखेर चुके हैं। उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र के साहित्य प्रेमियों और शुभचिंतकों में हर्ष का माहौल है। स्थानीय लोगों ने उम्मीद जताई है कि नवीन जैन नव अपनी रचनात्मक प्रतिभा से राष्ट्रीय मंच पर भी नई पहचान स्थापित करेंगे।

सेंट्रल बैंक का महा-ऋण शिविर

42 करोड़ के ऋण स्वीकृत; पात्रों को मौके पर मिले स्वीकृति पत्र

वाराणसी. शाबाश इंडिया। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा शनिवार को बीएलडब्ल्यू ककरमत्ता स्थित एक निजी सभागार में 'वृहत खुदरा जनसंपर्क कार्यक्रम' का भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष शिविर के दौरान बैंक ने ग्राहकों की वित्तीय आवश्यकताओं को देखते हुए कुल 42 करोड़ रुपये के खुदरा ऋण (रिटेल लोन) स्वीकृत किए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उप-महाप्रबंधक रंजीत सिंह एवं क्षेत्रीय प्रबंधक रणविजय सिंह ने अनेक पात्र ग्राहकों को मौके पर ही ऋण स्वीकृति पत्र प्रदान किए। शिविर में व्यापारियों, वेतनभोगी कर्मचारियों और स्वरोजगार से जुड़े व्यक्तियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। बैंक अधिकारियों ने उपस्थित जनसमूह को गृह ऋण, वाहन ऋण, शिक्षा ऋण और स्वर्ण ऋण जैसी विभिन्न योजनाओं की पात्रता, कम ब्याज दरों और पुनर्भुगतान की सरल प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। त्वरित स्वीकृति मिलने से ग्राहकों में भारी उत्साह और बैंक के प्रति अटूट विश्वास देखा गया। उप-महाप्रबंधक रंजीत सिंह ने ग्राहकों को विद्युतीय बैंकिंग (डिजिटल बैंकिंग) और मोबाइल सेवाओं के सुरक्षित उपयोग हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बैंक का उद्देश्य ग्राहकों को उनकी व्यक्तिगत और व्यावसायिक उन्नति के लिए एक सशक्त और पारदर्शी मंच प्रदान करना है। इस अवसर पर विभिन्न शाखाओं के प्रमुख एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। स्थानीय निवासियों और ग्राहकों ने बैंक की इस पहल को अत्यंत जनहितकारी और सुलभ बताया। कार्यक्रम के अंत में सभी का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे जन-केंद्रित आयोजनों का संकल्प लिया गया।